





# Solved Question Papers for BAMS Fourth Year

## Volume 1

### लेखक

आचार्य वैद्य ताराचन्द शर्मा

एम.डी., (आयुर्वेद)

विभागाध्यक्ष, मॉडल आई हॉस्पिटल

लाजपत नगर, दिल्ली

### एवं

ए० प्रो० वीना शर्मा

एम.डी., (शालाक्य)

विभागाध्यक्ष एवं असोसिएट प्रोफेसर,

शालाक्य, महिला आयुर्वेद विश्वविद्यालय,

खानपुर, सोनीपत

ए० प्रो० भारत वत्स

एम.डी., (कायचिकित्सा)

विभागाध्यक्ष एवं असोसिएट प्रोफेसर (स्वस्थवृत एवं योग)

एफ.आई.एम.एस., एस.जी.टी., विश्वविद्यालय

गुरुग्राम

### सहायक

वैद्य मनोज कुमार शर्मा

बी.ए.एम.एस

अभिजीत शर्मा

बी.ए.एम.एस.

Thieme

Delhi • Stuttgart • New York • Rio de Janeiro

Publishing Director: Ritu Sharma  
Development Editor: Dr. Astha Sawhney  
Director Editorial Services: Rachna Sinha  
Project Manager: Shipra Sehgal  
Managing Director & CEO: Ajit Kohli

Copyright © 2023 Thieme. All rights reserved.

Thieme Medical and Scientific Publishers Private Limited.  
A - 12, Second Floor, Sector - 2, Noida - 201 301,  
Uttar Pradesh, India, +91 1204556600  
Email: customerservice@thieme.in  
www.thieme.in

Cover design: Thieme Publishing Group  
Typesetting by Prem Chand

Printed in India

5 4 3 2 1

ISBN: 978-93-95390-76-7

**Important note:** Medicine is an ever-changing science undergoing continual development. Research and clinical experience are continually expanding our knowledge, in particular, our knowledge of proper treatment and drug therapy. Insofar as this book mentions any dosage or application, readers may rest assured that the authors, editors, and publishers have made every effort to ensure that such references are in accordance with **the state of knowledge at the time of production of the book.**

Nevertheless, this does not involve, imply, or express any guarantee or responsibility on the part of the publishers in respect to any dosage instructions and forms of applications stated in the book. **Every user is requested to examine carefully** the manufacturers' leaflets accompanying each drug and to check, if necessary, in consultation with a physician or specialist, whether the dosage schedules mentioned therein or the contraindications stated by the manufacturers differ from the statements made in the present book. Such examination is particularly important with drugs that are either rarely used or have been newly released in the market. Every dosage schedule or every form of application used is entirely at the user's own risk and responsibility. The authors and publishers request every user to report to the publishers any discrepancies or inaccuracies noticed. If errors in this work are found after publication, errata will be posted at [www.thieme.com](http://www.thieme.com) on the product description page.

Some of the product names, patents, and registered designs referred to in this book are in fact registered trademarks or proprietary names even though specific reference to this fact is not always made in the text. Therefore, the appearance of a name without designation as proprietary is not to be construed as a representation by the publisher that it is in the public domain.

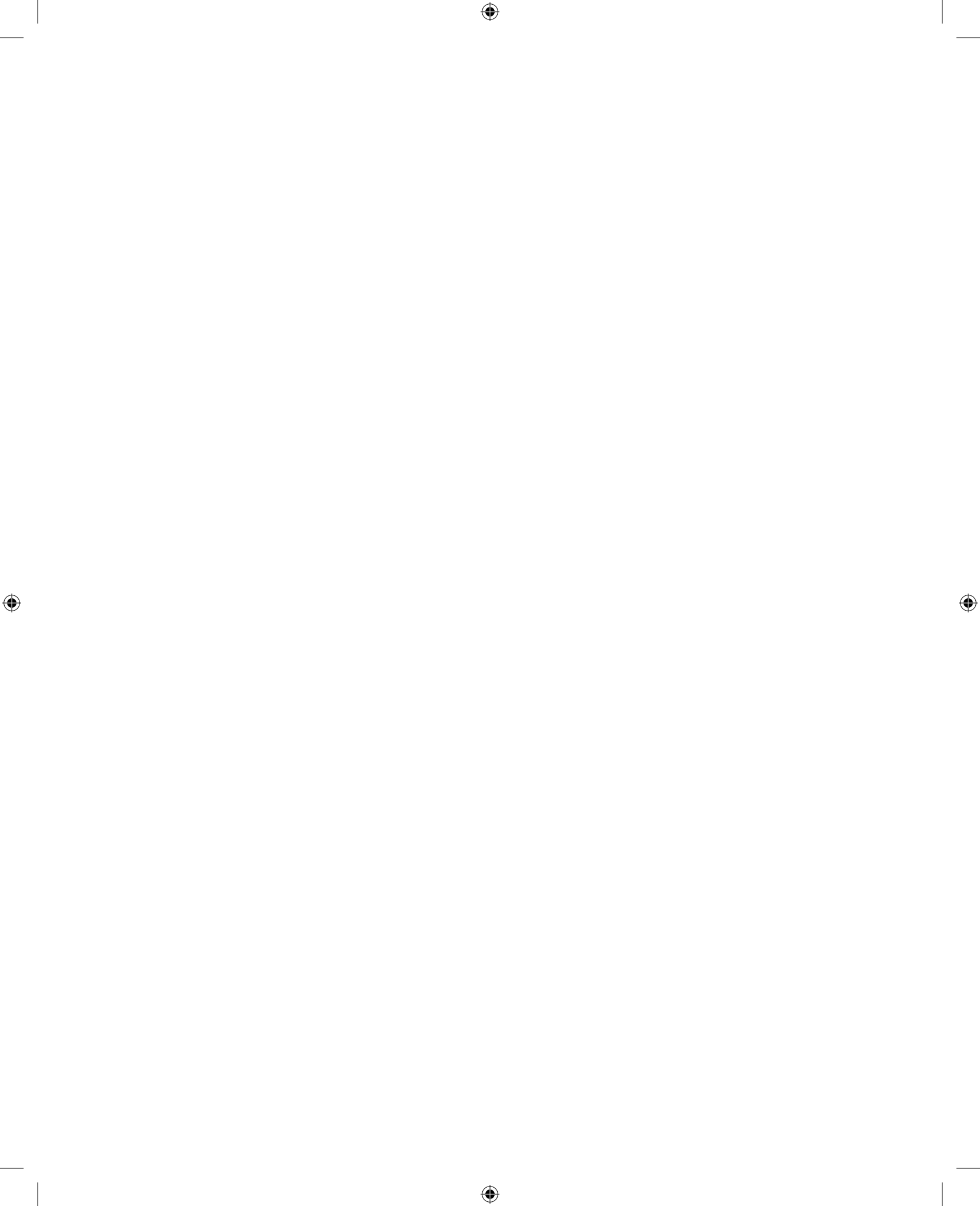
Thieme addresses people of all gender identities equally. We encourage our authors to use gender-neutral or gender-equal expressions wherever the context allows.

This book, including all parts thereof, is legally protected by copyright. Any use, exploitation, or commercialization outside the narrow limits set by copyright legislation without the publisher's consent is illegal and liable to prosecution. This applies in particular to photostat reproduction, copying, mimeographing or duplication of any kind, translating, preparation of microfilms, and electronic data processing and storage.

---

# विषयानुक्रमणिका

भूमिका	vii
1. काय चिकित्सा I-II	1-194
2. पंचकर्म विज्ञान	1-97
3. शालाक्य	1-95



# भूमिका

वर्तमान में B.A.M.S. (आयुर्वेदाचार्य) स्नातक शिक्षा ग्रहण हेतु विज्ञान के छात्रों को प्रवेश दिया जा रहा है। प्रवेश पाने वाले अधिकतर छात्र संस्कृत ज्ञान से शून्य होने के कारण उनके लिए यद्यपि प्रथम व्यावसायिक में संस्कृत विषय पाठ्यक्रम में रखा गया है तथापि इस एक वर्ष के समय में अन्य विषयों के अध्ययन के साथ संस्कृत का यथावश्यक ज्ञान होना कठिन है। अन्तिम व्यावसायिक के प्रश्नों को सरल हिन्दी में किया गया है।

आयुर्वेद के संहिता एवं संग्रह ग्रन्थ संस्कृत भाषा में हैं। प्रायः अनेक ग्रन्थों के अनुवाद उपलब्ध हो रहे हैं तथापि ग्रन्थों के सूत्रों को स्वयं समझने में छात्र सक्षम नहीं हैं।

प्रस्तुत पुस्तक काय चिकित्सा एवं प्रकाशन प्रबन्धकों ने विगत दस वर्षों के प्रश्न-पत्र उपलब्ध कराकर इन्हें हल करने हेतु मुझे यह कार्य दिया। मैंने यथासम्भव सहायकों सहित इसे करने का प्रयत्न किया है।

आशा है छात्रों को प्रत्येक विषय सूत्रों एवं प्रश्नों को समझने में सुगमता होगी। यदि कोई सूत्र एवं प्रश्न रह गया हो या कोई त्रुटि हो तो अवश्य लिखें ताकि अग्रिम संस्करण में उन्हें दूर किया जा सके।

इस कार्य को पूर्ण करने तथा काय चिकित्सा, शालाक्य एवं पञ्चकर्म विषयक प्रश्नों को प्रो० वीना शर्मा, एवं प्रो० भारत वत्स एवं वैद्य विजय बेरीवाल ने हल करने में पूर्ण सहयोग दिया है एतदर्थ ये सभी साधुवाद के पात्र हैं। वैद्य मनोज शर्मा आयुर्वेदाचार्य ने टंकित कार्य के प्रूफ रीडिंग में पूर्ण सहयोग किया। प्रत्येक विषय सूत्रों को सरल एवं स्पष्ट करने तथा प्रूफ रीडिंग में मेरे पौत्र अभिजीत शर्मा बी.ए.एम.एस. एवं वैद्या इन्दु तथा वैद्या प्राची ने भी पूर्ण सहयोग किया। एतदर्थ मैं उन्हें साधुवाद देता हूँ।

इस कार्य को मूर्तरूप प्रदान करने के लिए प्रबन्ध प्रकाशकों का आभार।

ऋतु शर्मा (व्यवस्थापक), टीमा पब्लिशर्स (Thieme Publishers) ने प्रतिपल इस कार्य को पूर्ण कराने में हमारा सम्पर्क बनाये रखा तथा कार्य पूर्ण करने में हमारे मनोबल को बढ़ाया है। अतः आपका विशेष धन्यवाद। टीमा पब्लिशर्स (Thieme Publishers) से आयुर्वेद पुस्तकें प्रकाशित कराने हेतु प्रबन्धकों को तैयार किया अतः आप सभी साधुवाद के पात्र हैं।

टंकण कार्य को बिना किसी कठिनाई के प्रेमचन्द ने पूरा किया जिसे भुलाया नहीं जा सकता है।

भवदीय  
वैद्य ताराचन्द शर्मा  
(एम.डी. आयुर्वेद)

गच्छतः स्खलनं क्वापि भवत्यैव प्रमादतः।  
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सञ्जनाः॥

